

प्रेस विज्ञप्ति

## जामिया के 12 रिसर्च स्कॉलर्स का पीएमआरएफ के लिए चयन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लिए बहुत गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय के बारह (12) शोधार्थियों को मई 2022 अभियान की लेटरल एंट्री स्कीम के तहत प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप (पीएमआरएफ) अवार्ड की गई है। विश्वविद्यालय ने अपने पिछले प्रदर्शन में काफी सुधार किया है क्योंकि 2021 में दिसंबर 2020 ड्राइव की लेटरल एंट्री स्कीम के तहत छह शोध विद्वानों को पीएमआरएफ के लिए चुना गया था। मई 2022 अभियान के लिए चयनित छात्रों, उनके अनुशंसाकर्ताओं और विभाग/केंद्रों के नाम इस प्रकार हैं:

1. नदीम अहमद की अनुशंसा प्रो. कमरुल हसन- सिविल इंजीनियरिंग ने की
2. मोहम्मद आरिज की अनुशंसा प्रोफेसर तारिकुल इस्लाम- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ने की
3. मोहम्मद मसूद की अनुशंसा प्रोफेसर मोहम्मद महफुजुल हक - बायोटेक्नोलॉजी ने की
4. गुलनाज़ तबस्सुम की अनुशंसा डॉ. कपिल देव - बायोटेक्नोलॉजी ने की
5. आयशा ऐमान की अनुशंसा प्रो. सीमा फरहत बसीर - बायोसाइंसेज ने की
6. डॉ. रफीक अहमद- सीएनएन द्वारा अनुशंसित सकीना मसरत
7. डॉ. मोहम्मद अजमल खान - भौतिकी द्वारा अनुशंसित मुदासिर यूनिस सोफी
8. डॉ जावेद अली- भौतिकी द्वारा अनुशंसित शाह मशीरुल आलम
9. डॉ अमित कुमार- रसायन शास्त्र द्वारा अनुशंसित शैली भारद्वाज
10. स्नेहा शुक्ला, प्रो सैफ ए चौधरी- रसायन शास्त्र द्वारा अनुशंसित
11. डॉ शमा परवीन - सीआईआरबीएससी द्वारा अनुशंसित अब्दुस समद
12. डॉ मोहन सी जोशी- एमसीएआरएस द्वारा नूहा अबीर खान की अनुशंसा की गई।

इस बेहतर प्रदर्शन से उत्साहित जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने जामिया के पीएमआरएफ समन्वयक, प्रो. अब्दुल कयूम अंसारी को बधाई दी और इस बड़ी उपलब्धि के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

सफल उम्मीदवारों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, "जामिया उत्कृष्टता के लिए तत्पर है और अपने छात्रों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रदर्शन उच्च गुणवत्ता शोध पर विश्वविद्यालय के फोकस को दर्शाता है और मुझे विशेष रूप से खुशी है कि इन बारह में से छह छात्राएं हैं। मुझे उम्मीद है कि यह अन्य छात्रों को विशेष रूप से विश्वविद्यालय की छात्राओं को विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

पीएमआरएफ समन्वयक, जेएमआई प्रो. अब्दुल कयूम अंसारी ने कहा कि इन शोधकर्ताओं को पहले दो वर्षों के लिए 70,000 रुपये, तीसरे वर्ष के लिए 75,000 रुपये, चौथे और पांचवें वर्ष के लिए 80,000 रुपये की फेलोशिप मिलेगी। इसके अलावा, PMRF के तहत प्रत्येक फेलो को प्रति वर्ष 2 लाख रुपये (पांच साल के लिए कुल 10 लाख रुपये) का शोध अनुदान भी मिलेगा।